



डायमंड
कॉमिक्स
Rs. 10.00

पारले-जी श्रीधरजी

RAJ COMICS FAN NATION

BRINGING HOME THE JUNOON



इस अंक के प्रायोजक के
पारले-जी

प्रिय बच्चों,

शक्तिमान कॉमिक्स की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर हमें बड़ी खुशी हो रही है। जाहिर है आप हमारे इस शक्तिमान कॉमिक्स को बड़े चाव से पढ़ रहे हैं और अपने आप में शक्तिमान के विशिष्ट गुणों को समाहित करने का सफल प्रयास कर रहे हैं। शक्तिमान प्रेरणा का स्रोत है। एक ओर जहां यह रोमांचकारी एवं शिक्षाप्रद है, वहीं दूसरी ओर यह आपको शक्तिशाली एवं बुद्धिमान बनने को प्रेरित करता है ताकि आप किसी भी झंझावत से जूझने की क्षमता रखें; समाज में फैली कुरीतियों को जड़ से उखाड़ फेंकने में मदद कर सकें। यही तो है एक आदर्श नागरिक बनने के लक्षण।

प्यारे दोस्तों! आप ही तो राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य हैं। आपकी शक्ति, आपके विचार आपकी जिंदगी, अमूल्य है। इसे किसी कीमत पर नष्ट न करें। आप जानते हैं कि शक्तिमान ने उन असीम शक्तियों को विभिन्न यौगिक क्रियाओं, तपस्या एवं अच्छे कर्मों के माध्यम से अर्जित किया है। इन यौगिक क्रियाओं, कुण्डलनी जागरण एवं संयमित एवं अनुशासित जीवन व्यतीत कर आप भी इन विलक्षण गुणों एवं शक्तियों के मालिक बन सकते हैं क्योंकि आप, शक्तिमान एवं हम सभी उन्हीं पांच तत्वों- धरती, जल, अग्नि, आकाश एवं वायु से ही तो बने हैं।

हमें बड़ी खुशी है कि आप न केवल शक्तिमान के आदर्शों को अपने मन-मस्तिष्क में उतार रहे हैं बल्कि अपने पुस्तक संग्रह में भी शक्तिमान कॉमिक्स को सजाकर चार चांद लगा रहे हैं। लेकिन जान-बूझ कर आप किसी ऐसी दुर्घटना या संकट को आमंत्रित न करें जो सबके लिए एक अभिशाप बन कर रह जाय। हां, आप जरूर शक्तिमान की तरह बलवान, बुद्धिमान एवं कल्याणकारी बनें! यही हमारी शुभकामनाएं हैं।



आपका

Mukesh Khanna

(मुकेश खन्ना)

शक्तिमान

भीष्म इंटरनेशनल कृत टी. वी.
सीरियल "शक्तिमान" पर आधारित
संयोजक: मुकेश खन्ना, दिनकर जानी
सम्पादक: गुलशन राय
सह सम्पादक: संजय सिन्हा
कहानी: गालिब असद भोपाली,
ब्रज मोहन घाण्डेय
कॉमिक्स रूपांतरण एवं चित्रांकन:-
आदिल खान, राशिद खान अमरोहवी



जिंगल बेल, जिंगल
बेल, जिंगल ऑल द
वे \$\$\$ जिंगल \$\$\$



प्रशांत
शक्तिमान
की डॉल मुझे
दे!

प्रशांत
मुझे
दे!

प्रशांत
मुझे
देना!

ऊं हूं!
जिंगल बेल
जिंगल बेल \$\$\$



अचानक अप्पू ने तेज दौड़कर
प्रशांत के
हाथ से
शक्तिमान
की डॉल
भगदली-

ओह!
नहीं!

प्रशांत रोता हुआ उसके पीछे भागा-



अंsss ऊं!
मेरी डॉल!
शक्तिमान वाली
डॉल!

तेजी से भागता अप्पू अचानक ठिठक कर रुक गया। क्योंकि दरवाजे पर गीता खड़ी थी।



दीदी, इसने मेरी
शक्तिमान वाली
डॉल दीन ली!
(सुनुक-सुनुक)

अप्पू क्या सुन
रही हूं मैं? चलो
इसकी डॉल दो!
सुना नहीं?!



नहीं! मैं नहीं
दूंगा! मैंने शक्तिमान
को सबसे पहले देखा
है। शक्तिमान की
डॉल मेरी
है!

अप्पू ये
डॉल प्रशांत
की है, उसे
वापस करो!



नहीं! मैंने तुमसे
कितनी बार कहा था
शक्तिमान की डॉल के
लिए लेकिन तुमने मुझे
लाकर नहीं दी!
मम्मी यहां होती तो
वह जरूर लाती!

मैंने नहीं लाकर दी
इसका मतलब ये नहीं कि
तुम दूसरों की चीजें
हीनोगे! दो इधर!



अंsss आsss
सुनुक सुनुक!

गीता ने प्रशांत को
उसकी डॉल दे दी।
लेकिन उसे अप्पू
के रोने का अहसास...

...सारे दिन तक रहा! आफिस में गुमसुम सी बैठी थी वो! उसे पता तक न चला कि गंगाधर कब उसके पास आ खड़ा हुआ—



शुभ प्रभात देवी जी!

गीता ने कोई जवाब नहीं दिया—



क्या बात है देवी जी? आप तो ऐसी गंभीर मुखमुद्रा बना कर बैठी हैं जैसे किसी मुष्क महाराज ने आपके सारे कपड़े कुतर लिए हैं। कोई समस्या है?

जी नहीं! आप अपना काम कीजिए!

देखिए देवी जी! दुरन बांटने से कम होता है। महान कबिने ने कहा है कि गंगू निजमन की व्यथा सबको बांटते जाओ! सबको दुरवी बनाए के मन ही मन मुस्काओ!



कहकर गंगाधर महामुख की तरह मुस्कराया। उसे देख कर गीता को भी हंसी आ गई।

जी हां, देवी जी! बाल हठ तो बाल हठ ही होती है! क्या चाहिए अप्पू को?

शक्तिमान!



मे कुछ न बात! अब मे भी बता दीजिए समस्या क्या है?

कुछ नहीं! बस आज मैंने अप्पू को बहुत बुरी तरह डांट दिया। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था! मम्मी-पापा भी यहां नहीं हैं फिर उसने कोई ज़िद भी की तो क्या! है तो नह कच्चा ही!







... और तुरंत घुस
गये उस गिफ्ट शॉप
में जहां सेल्स मैन बुलंद
आवाज में कह रहा था-

बॉल राउंड जिसमें
हम टैर सारी गेंदे
उढ़ालेंगे जिसे
लाल गेंद मिलेगी
उसी को
मिलेगी...



बॉल बाउंस होती इधर-उधर हो गई—



सभी यागलपन की हृद तक दीवाने थे
शक्तिमान की डॉल
पाने की—

धड़ाधड़ एक दूसरे पर गिर
रहे थे लोग—



तभी गंगाधर
को दिख गई
रेड बॉल—

आह!
वो रही!



बॉल बाउंस होती एक बच्ची के पास पहुंच गई जिसके पीछे लुढ़कता हुआ गंगाधर भी—



बच्ची ने उठाकर बॉल अपने मुंह में रख ली—



गंगाधर ने उससे बॉल लेने की कोशिश की तो वह बच्ची रो पड़ी—



तभी—

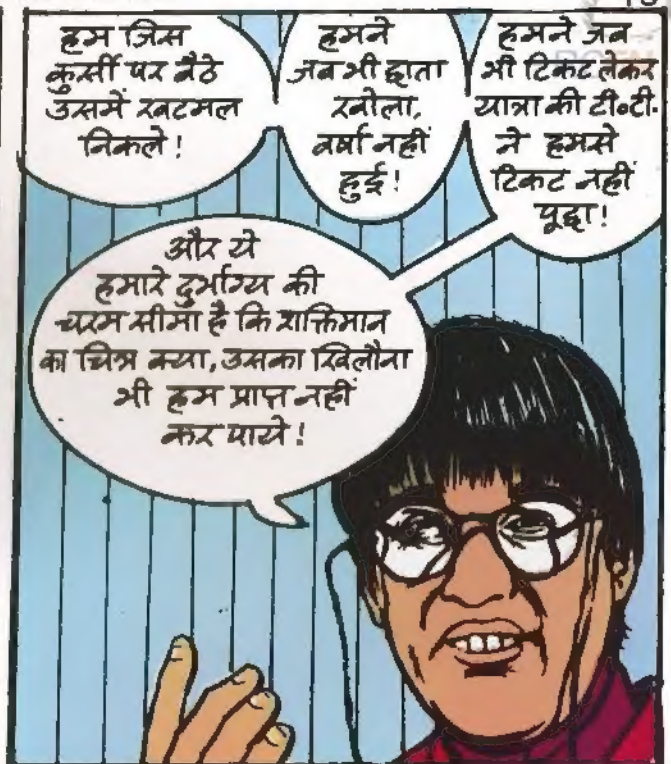
मेरी बच्ची को रुलाया... ये ले!

मादो इस दल्लू को!

अरे नहीं देनियाँ! सुनिये तो!



गंगाधर को पीट कर औरतें चली गईं तो...





लुक माय चाइलड! रिलीने सिर्फ बच्चे की खुशी ही नहीं होते, उनका आइडियल भी होते हैं! बच्चे जब टीचर-टीचर या डॉक्टर-डॉक्टर खेले हैं तो वो वैसा ही बनना चाहते हैं, जानती है आप? बच्चों को लड़ाई-भगड़ा क्यों अच्छा लगता है?



... क्योंकि उन्हें हमने धमा दिये हैं रिलीनों की शक्ल में पिस्तौलें, बंदूक, मशीनगन और यही उनके आइडियल बन गये हैं मैं चाहता हूँ वे शक्तिमान जैसा बनें! उनका आइडियल शक्तिमान हो!

आप अप्पू की समझाएँ, अगर वह अच्छा बच्चा बनेगा तो सेटाक्लाज उसे शक्तिमान की डाल अवश्य देगा!

लेकिन सर! हम लोग तो...



आई नो! आई नो! बट सेटा-

क्लाज तो बच्चों में खुशियाँ बाँटता है। और बच्चों का कोई धर्म नहीं होता।

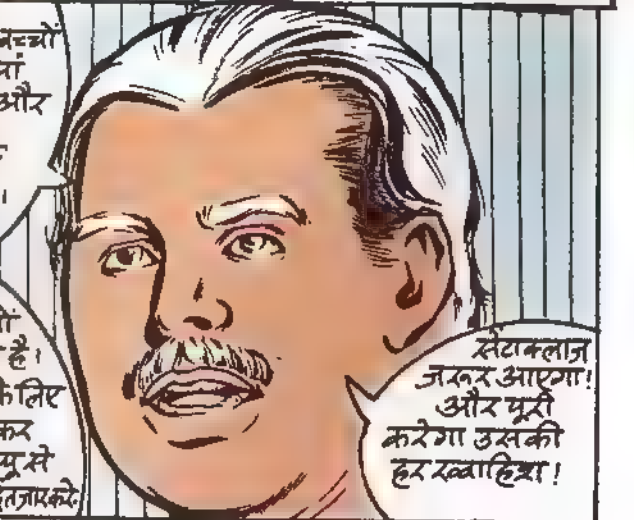
किसमस तो खुशियों का त्योहार है। वह तो सबके लिए खुशियाँ लेकर आयेगा! अप्पू से कहना वह इतना प्यारे

परंतु श्रीमान! शक्तिमान भी तो शत्रुओं से झुंझ करते रहते हैं। युद्ध करते रहते हैं।

वही तो असली जंग है! अच्छाई और बुराई की! जिस तरह सेटाक्लाज का आना बच्चों में संघम विश्वास और आस्था पैदा करता है उसी तरह शक्तिमान भी अच्छाई का जीता-जागता ऐलान है। और ये शुभ लक्षण है कि बच्चे उसे पसंद करते हैं।



जी! जी हां! मेरा छोटा भाई अप्पू तो उसका दीवाना है। मैंने पहली बार उसे किसी चीज के लिए जिदद करते देखा है। और वह है शक्तिमान की डाल!



सेटाक्लाज जरूर आएगा! और पूरी करेगा उसकी हर ख्वाहिश!

नहीं ॐ
उनकी
स्वाइशों को
कभी पूरा
नहीं
होने देगा
कपाला !

... त्योंहार को
मातम में बदल देगा !
वह बच्चों में खुशियां
बांटना चाहता है... उनकी
खुशियों में आग लगा
देगा कपाला !

मिट्टा देगा
उनके
निश्वास और
आशाओं
को !
हुंह !

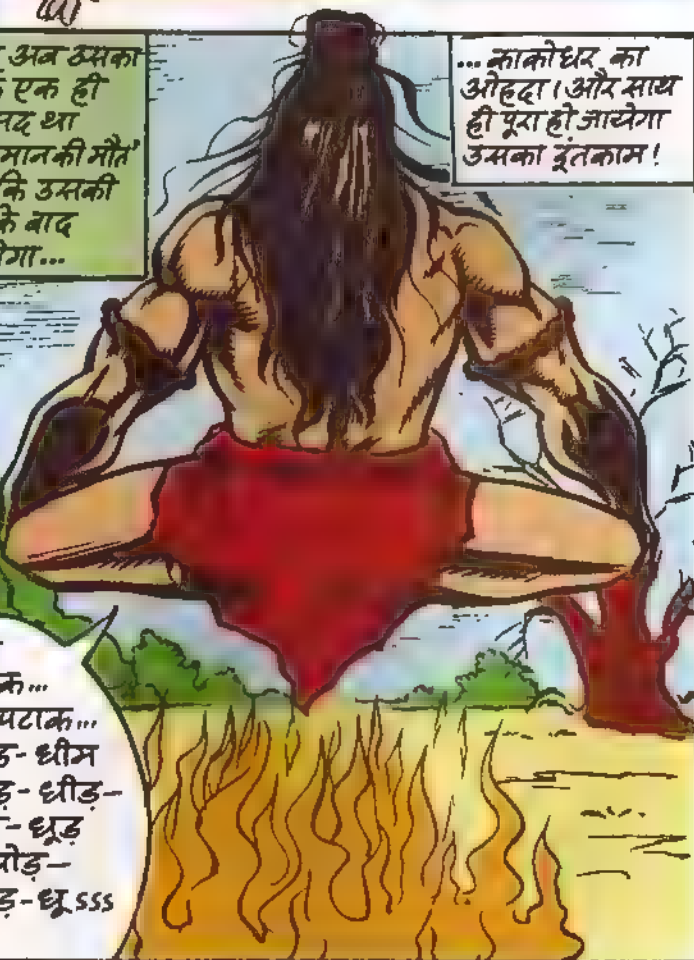


एक बार
फिर कपाला
बुलंद होसलो के साथ
अपनी कमर कस कर
आया था।

और अब उसका
सिर्फ एक ही
सकसद था
'शाकिमान की मौत'
क्योंकि उसकी
मौत के बाद
मिलेगा...

... काकोधर का
ओहदा। और साथ
ही पूरा हो जायेगा
उसका दूतकाम !

तड़
तड़क...
पट पटाक...
धाड़- धीम
धीड़- धीड़-
धूड़- धूड़
धोड़-
धोड़- धू sss



और शायद
पूरी हो चुकी
थी उसकी
साधना। क्योंकि
आग के स्थान
पर प्रकट हुई
एक मायावी
रनोपड़ी।

देख कपाल
देख ! जागने लगी
हैं तेरी मायावी
ताकतें ! फिर से
ताकतवर होने
लगातू !
और अब
कपाल की ताकतों
का एक ही
मकसद
है ...

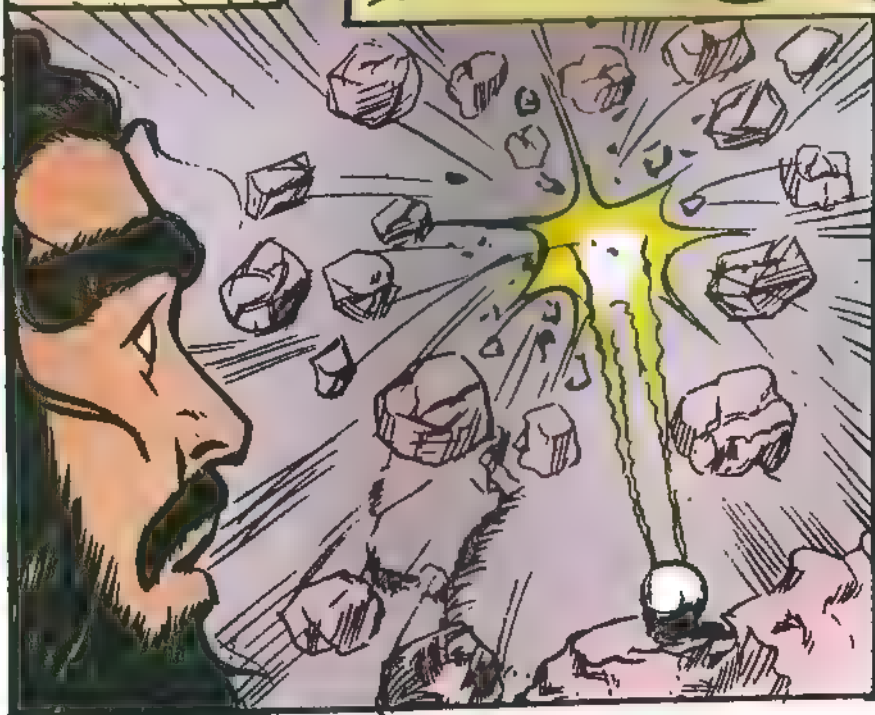
शक्तिमान
की मौत !
और नाकोधर
का ओहदा !





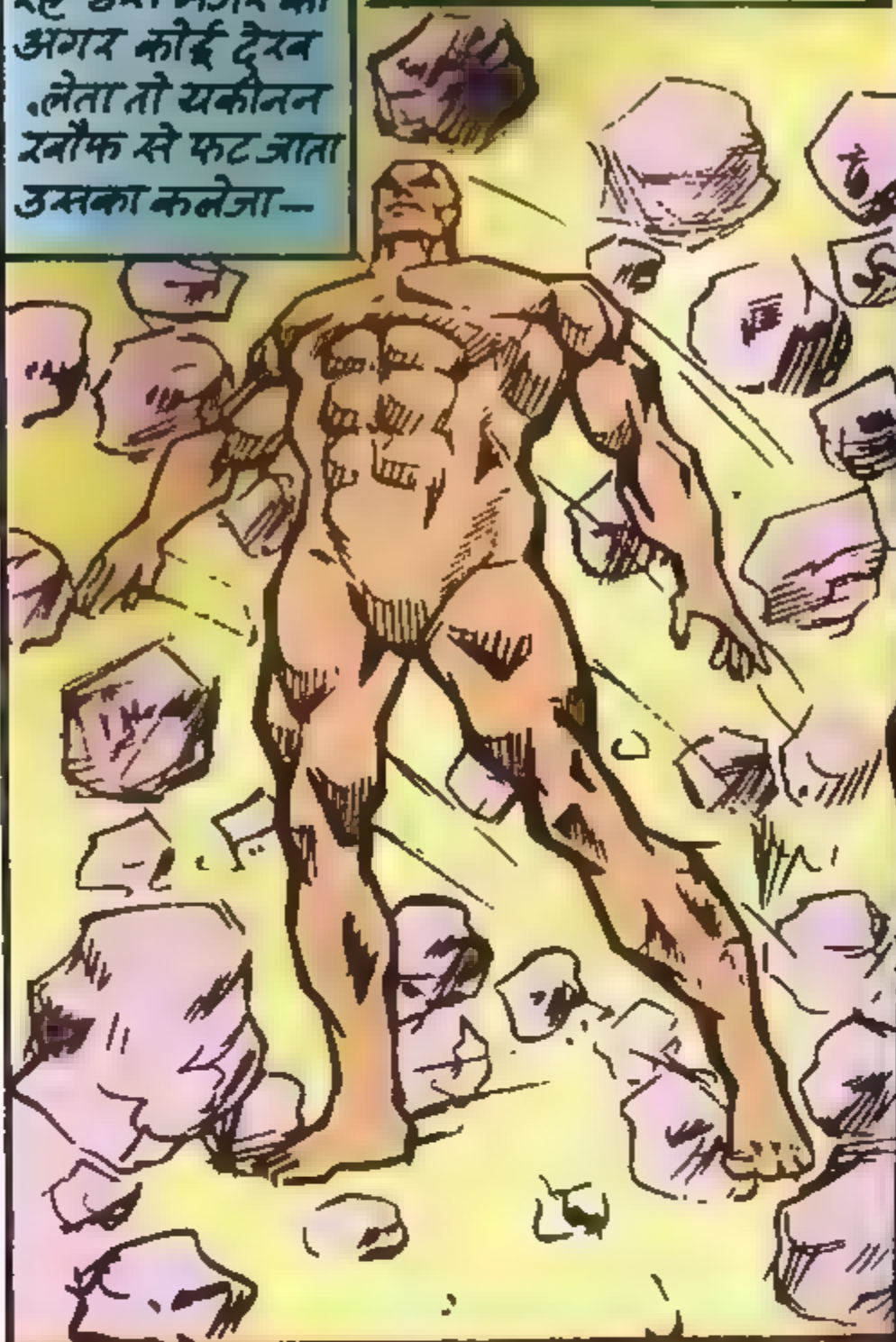
रनोपडी की आंखों लाल
अंगारे-सी दहकने
लगी और उसकी
आंखों से निकली
किरणें—

... जा टकराई
एक चट्टान
से—



अंधेरी रात को
रमराम में घट
रहे उस भंजर को
अगर कोई देख
लेता तो यकीनन
खौफ से फट जाता
उसका कलेजा—

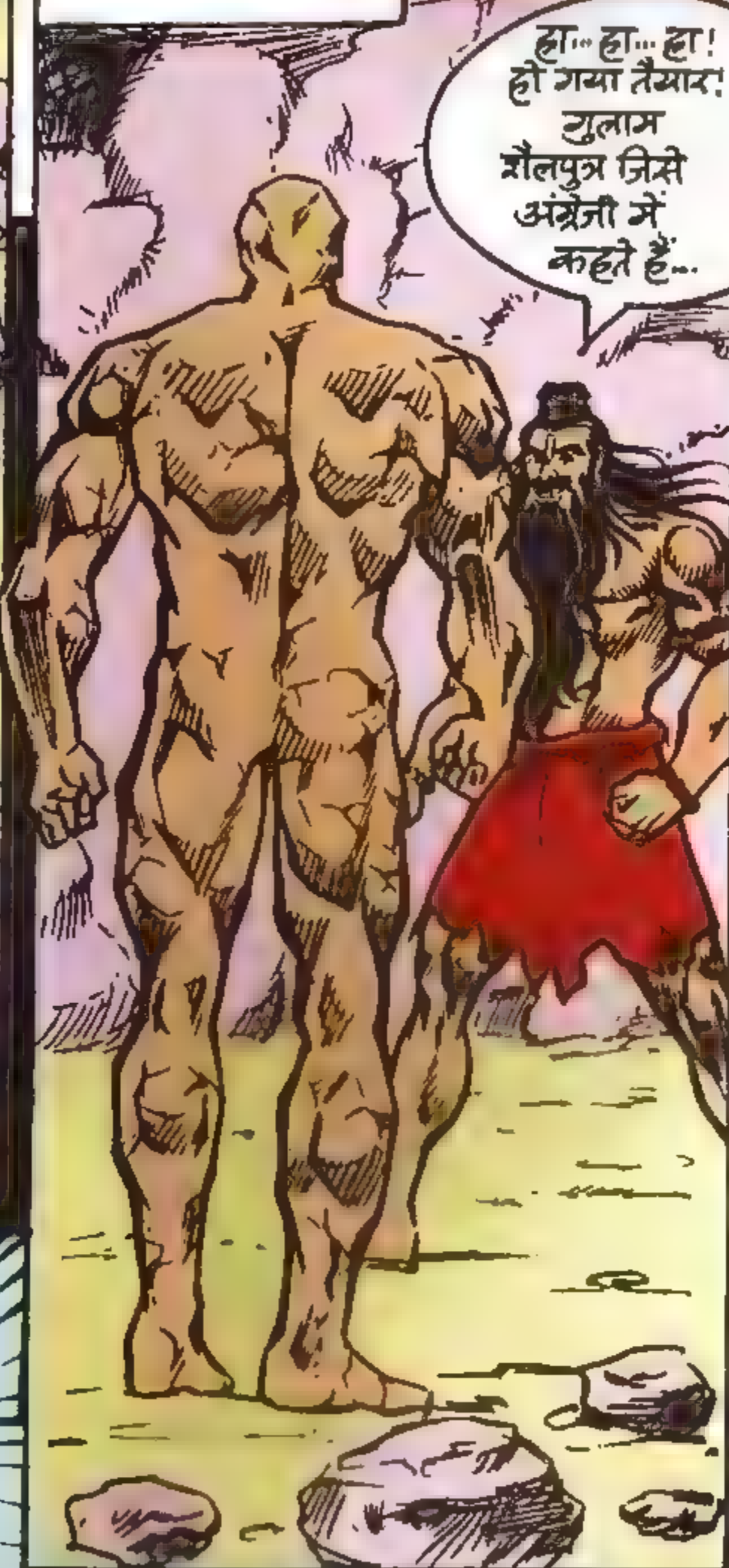
दृश्य ही कुछ ऐसा था!



धीरे-धीरे चट्टान से निकलता वो पर्वत मानव...

...एक आज्ञाकारी गुलाम की तरह कपाला के
सामने जा खड़ा हुआ—

हा... हा... हा!
हो गया तैयार!
गुलाम
शैलपुत्र जिसे
अंग्रेजी में
कहते हैं...



...स्टोनमैन!

आह... हा... हा... हा !
स्टोनमैन तेरी जलती हुई
निगाहें दुनिया की किसी भी
चीज पर पड़ेंगी तो वह चीज
पत्थर की तरह जड़
हो जायेगी !

हा... हा... हा !
स्टोनमैन तू
करेगा कपाला
के मन्सूबों
को
धुरा !

जो हुक्म मेरे
आका ! अंधेरा
कायम
रहे !

हा... हा... हा !
अब आगा भजा !
अंधेरा कायम
है !

उधर मोट्टू और डिस्जा बच्चों के गिफ्ट पैक करके ऊपर नाम लिख रहे थे। तभी मोट्टू की नजर पड़ी एक ब्लैक बॉक्स पर-

ग्रेंड पा!
ये गिफ्ट
किसका
है?

ये!
देखो इस पर
लिखा
होगा!

इस पर तो
कुछ भी नहीं
लिखा!
इसमें है
क्या?

मता नहीं! मुझे
तो याद नहीं आ
रहा! जरा
खोल कर तो
देखो!

तभी दोटा-सा
दिरवने वाला
स्टोनमैन
आदम
कद हो
गया।

बॉक्स खोलते ही मोट्टू हैरान रह
गया क्योंकि उसके अंदर
मौजूद था...

...स्टोनमैन?
ग्रेंड पा, ये
देखिए!

स्टोनमैन?

हा! हा!
हा!



कपाला डैन ! जहां गुंज रहे थे कपाला के भयानक ठहाके —

याऽऽ हा-हा-हा !
स्टोनमैन ने उसे यहां लाकर यह साबित कर दिया कि तू कपाला का मंसूबा घूरा करेगा !

..और डिसूजा ! तुम ! तुम बच्चों की रब्बाहिशें घूरे करने वाले थे न ! शक्तिमान की पैरवी कर रहे थे मूर्ख !

अब सिर्फ कपाला की रब्बाहिशें पूरी होंगी अब लाखों गिरेगी कपाल के दुश्मनों की ! और सबसे पहले लाश गिरेगी !



याऽऽ हा-हा-हा ! क्योंकि फैलने लगी होगी तुम्हारी रबबदे रेंडियाँ और...

बस घूरा ही होने वाला है कपाला का मंसूबा !

... शक्तिमान की !

तुम्हारे गायब होने की खबर सुनकर वो बच्चों को दिलासा दिलाने जरूर आएगा ! और फिर वापस नहीं जाएगा क्योंकि स्टोनमैन उसे भी पत्थर का बुत बनाकर कपाला के कदमों में डाल देगा !





FAN

RAJ COMICS FAN NATION

...और टी.वी. पर...

क्रिसमस के मौके पर सेंटाक्लाज के गायब होने से शहर भर में खनसनी फैल गयी है।

मि. डॉमनिक डिस्त्रा पहिले पच्चीस वर्षों से सेंटाक्लाज बनकर बच्चों की आशा को बरकरार रखते हुए उन्हें खुशियां बांटते आ रहे थे। कल रात उनके आश्चर्यजनक तौर पर गायब होने से...



उदासी और आतंक फैल गया है। बच्चों में भी निराशा फैल रही है! क्या इस बार सेंटाक्लाज नहीं आएगा?

क्रिसमस ट्री में लगे सेंटाक्लाज के मुद्राबोटे को देखकर मोदू रोने लगा-

सुबुक...
सुबुक...

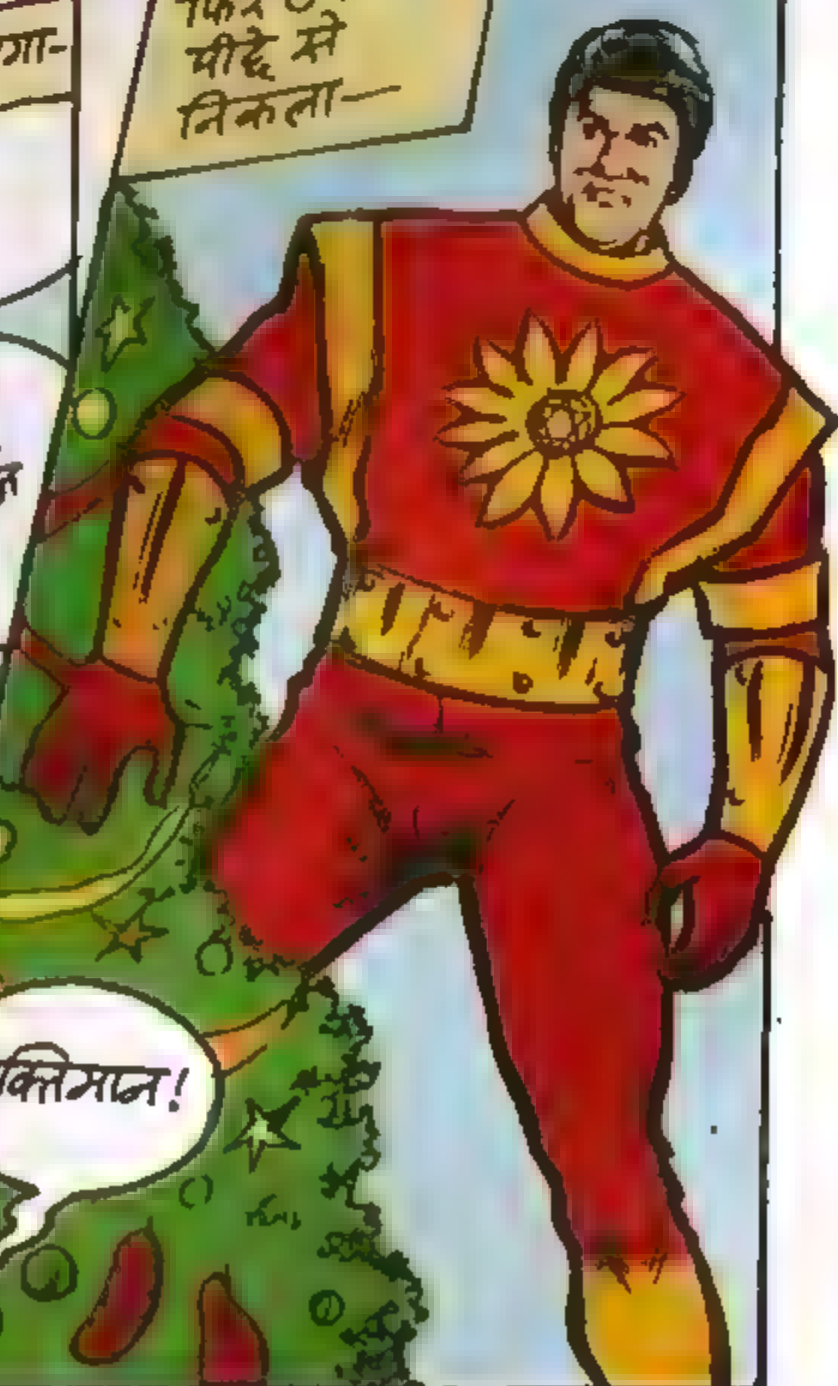
रो मत
मोदू!
सेंटाक्लाज
जरूर
आएगा!

फिर उसके
घोड़े से
निकला—

?!?

सभी क्रिसमस
ट्री के घोड़े
तेज रोशनी
हुई खनने
चौक
कर देखा-

शक्तिमान!



सारे बच्चों ने घेर लिया उसे—

शक्तिमान!
मोड़ के दादाजी
को वापस ले
आओ!

शक्तिमान,
मेरे ग्रैंड पा को
बचालो! उन्हें
स्टोनमैन अपने
साथ ले गया!

हां, स्टोनमैन! मैंने
इंस्पेक्टर अंकल को
भी बताया था मगर
उन्होंने मेरी बात
नहीं सुनी!

तुमने
देखा था,
उसे?



स्टोनमैन!

हां
शक्तिमान!
वह एक
नाक्स में
से निकला
और
ग्रैंड पा को
अपने साथ
ले गया!

ओह!



शक्तिमान!
क्या अब वो
कभी वापस नहीं
आएंगे?

हां, शक्तिमान!
क्या सेंटाक्लाज अब
हमें खिलौने देने
कभी नहीं
आएगा?

नहीं बच्चों! विश्वास
रखो! सेंटाक्लाज जरूर
आएगा! तुम्हारा विश्वास
उन्हें वापस लेकर
आएगा। क्योंकि
सेंटाक्लाज एक
इंसान ही नहीं, एक
विश्वास है
तुम्हारा
विश्वास!



तभी वहां आती गीता शक्तिमान को देख
कर वहीं रुक गई-

मैं तुमसे
बादों करता हूं कि
किसमस की रात को
सेटाक्लाज तुम्हें
खिलौने देने
जरूर आएगा।

अरे...
शक्तिमान!

हां, शक्तिमान!
तुम्हें भी आना होगा!
उस दिन हमारा म्यूजिकल
शो भी होता है। जिसके बाद
सेटाक्लाज हमें प्राइज
देते हैं।

हां, शक्तिमान!
तुम्हें आना
ही होगा!



फिर शक्तिमान
चल दिया!

शक्तिमान!
तुम भी
आओगे
न?

बच्चों की जिद के आगे
शक्तिमान को हां
करनी ही पड़ी-

ठीक है! मैं
जरूर आऊंगा!

प्रॉमिस!

प्रॉमिस!



... और न रुकी गीता
विश्वास! ये सब
लेकर वह सीधी पहुंची...

... 'आज की आवाज' के ऑफिस में—

बेसी गुड!
तो तुम ये खबर
लेकर आई हो कि शक्तिमान
बच्चों के एक म्यूजिकल
प्ले में पार्टिसिपेट
करने जरूर आएगा!

यस सर!
उसने
वादा किया
है!

ओह! तो कल तुम ये
खबर लेकर आओगी कि
शक्तिमान एक फाइन स्टार
होटल में लंच लेने जाएगा या कि
बहुत बड़े स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स
में गुल्ली-डण्डा खेलने
आएगा क्यों?

लेकिन
सर!...

नहीं गीता विश्वास!
इन बातों से आम
आदमी को क्या
लेना-देना!

जी हां!
समाचार
ऐसा होना
चाहिए जिसमें
कुछ संवेदना
हो! आम
आदमी की
व्यथा हो
जैसे...

...शक्तिमान आज
गरीबों के साथ
बड़ा-यात्रा कराएगा
महिलाओं के साथ
मिट्टी के तेल
के लिए कतार
लगाएगा....

...या किसी कवि
सम्मेलन का मुख्य
अतिथि बन कर
जाएगा। और सारा
जीवन पढ़ताएगा!
या...

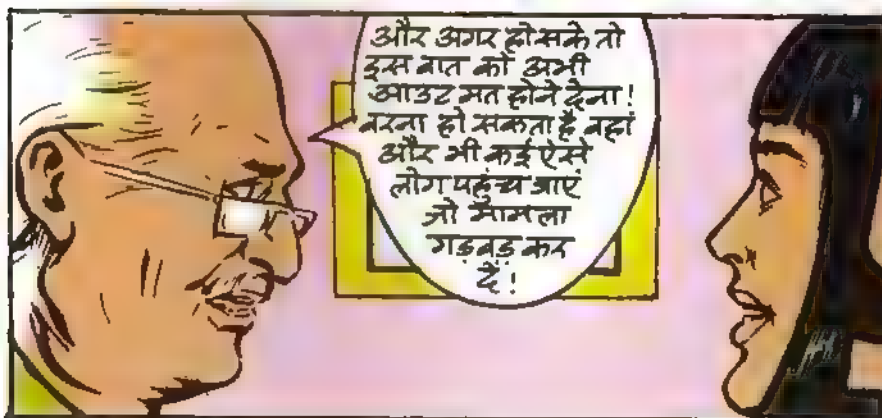




REAL COMICS IMAGINATION

JOIN US & BE THE PART OF REVOLUTION





... बच्चे अपनी खुशी दिया नहीं सकते—



वे चाहते थे कि हर कोई यह जान जाए कि...



... क्रिसमस के अवसर पर आ-रहा है "शक्तिमान" क्रिसमस हॉल में शाम आठ बजे!

लेकिन अफसोस सारे शहर के साथ-साथ इस रात का पता केपला जैसे शैतान को भी चल गया!

क्रिसमस के मौके पर शक्तिमान क्रिसमस पार्क आ रहा है।

यही... बिल्कुल यही चाहता था केपला! हा-हा-हा!

शक्तिमान! क्रिसमस पार्क में आएगा! और केपला का गुलाम स्टीनमैन भी नहीं जाएगा! फिर...

ही... ही... ही!





शक्तिमान!
तू कपाला
के
शिकंजे में
फंसा जा रहा
है! अब...! अब
कोई नहीं रोक सकता
कपाला को काकोधर का
ओहदा देने से!
हा-हा-हा!

पागलों की तरह अट्टहास लगाते कपाला
के चेहरे पर अचानक गजब की दरिद्रगी
आ गई।

हलक फाड़ कर चीर ब उठा वो—

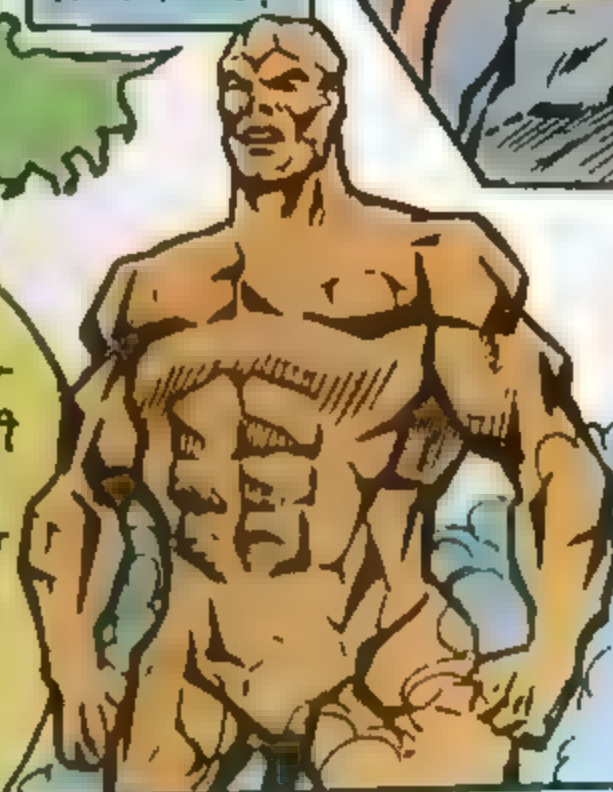
स्टोनमैन!



अगले क्षण स्टोनमैन
उसके
सामने था!

हुक्म मेरे
आका!

जिस
तरह तू
डिस्जूजा को
लाया, वैसे ही
शक्तिमान को
भी कपाला के पास
लाएगा! पत्थर
की तरह जड़
बना कर! पर
ध्यान रहे!

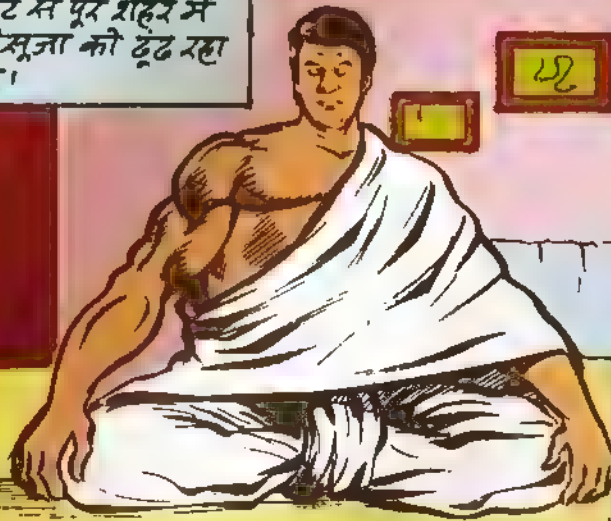


... शक्तिमान को
मारना नहीं, उसे
कपाला खुद अपने
हाथों से
मारेगा!

जो हुक्म
मेरे आका!



इधर गंगाधर दिव्य दृष्टि से पूरे शहर में डिस्जुजा को ढूँढ रहा था।



लेकिन इससे पहले वह डिस्जुजा का पता लगा पाता...

... दरवाजे की खटखटाहट से उसका ध्यान दूट गया -

ओह! कौन आया?



गंगाधर ने तुरन्त दस्त बाहर निकाल कर...

... दरवाजा खोला -

देवी जी, आप?



तुम्हें याद नहीं हमें किसमस पार्क जाना है। वहाँ शक्तिमान आने वाला है। मैं उसका इंटरव्यू लूँगी। और तुम्हें हमारे फोटो खींचने हैं।

लेकिन देवी जी, हमारा वहाँ जाना ठीक नहीं! हाँ, देवी जी हमारा शायान्गुना सुबह से फड़क रहा है। सवेरे-सवेरे एक नेता जी भी हमारा रास्ता काट गये हैं! और पड़ोसी की बिल्ली भी सारी रात से हिक रही है।

ठीक है, लगता है मेरा लक ही खराब है। पहले तुम जैसे फोटोग्राफर ने मेरे घेस में नौकरी की! फिर तुमने मेरी शक्तिमान की न्यूज चुरा ली! और अब...

इतने सारे अपशकुन हो रहे हैं कि हमें विश्वास है कि कोई अनहोनी अवश्य होगी। इसलिए हम आपके साथ नहीं जा सकते देवी! हमें क्षमा करें!



गीता रोने की एक्टिंग करने लगी—

(सुबुक-सुबुक)
तुम चाहते हो मैं
शक्तिमान का इंटरव्यू
न कर पाऊं... और
मेरी नौकरी चली
जाये !

(सुबुक-सुबुक)

गीता को रोता
देख कर गंगाधर
चलने को तैयार
हो गया—

नहीं, नहीं देवी जी!
आप रोइए मत! आपको
देख कर हमें अपनी
गाय याद आ गई है!
आप चुप हो जाइए!
हम चलने को
तैयार हैं।

सच!
तो फिर
जल्दी
चलो!



... क्रिसमस पार्क!
जहाँ बच्चे बेताबी
से शक्तिमान और
डिस्जुजा को इंतजार
कर रहे थे—

उसने बादा
किया था कि वह
मेरे दादा जी को
लेकर आएगा!

हां, वह
उनको लेकर
आता ही
होगा!

दीदी!
शक्तिमान
क्यों नहीं
आया?



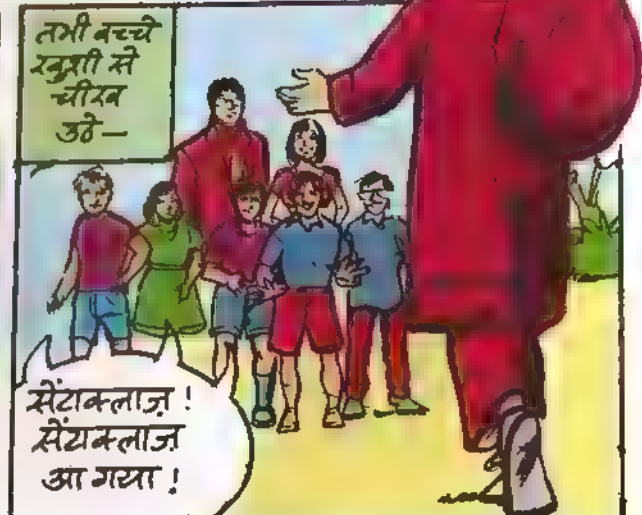
कोई बात नहीं
मैं चली जाती हूँ!
(सुबुक-सुबुक)

देवी जी! हो सकता है
शक्तिमान स्वयं अभी तक उनका
पता न लगा सकें हो?

नहीं, शक्तिमान
बारह बजे तक सैंटाक्लाज
को लेकर जरूर आएगा। मुझे
यूरा विश्वास है! और अभी
सिर्फ ग्यारह बजे हैं!

तभी बच्चे
खुशी से
चीख
उठे—

सैंटाक्लाज!
सैंटाक्लाज
आ गया!







...और
भयभीत
होने की
एकटिंग करने
लगा—

य... ये देखिये हम
शक्तिमान नहीं, हम तो
हैं नंगासर, दंगाकर अमृत-
सर नहीं, नहीं, हमारा नाम है
क्या है? हां, शास्त्री नाथ,
ओकर धरमाया, धर-
विद्या, धरगंगा योडि!

स्टोनमैन ने जुनून
में आकर गंगाधर
को उठाकर ऊपर
उड़ाल दिया—

गुर्रर्रर्र

आउह!

आरबें दहकते शोले
सी नजर आ रही
थी उस दरिन्दे की!
खुरबाद भेड़िए की
तरह गुर्रा उठा वह—

और अगले ही क्षण आ गया वो शैतानों का दुरमन! बच्चों का दोस्त—

शक्तिमान!

शक्तिमान!

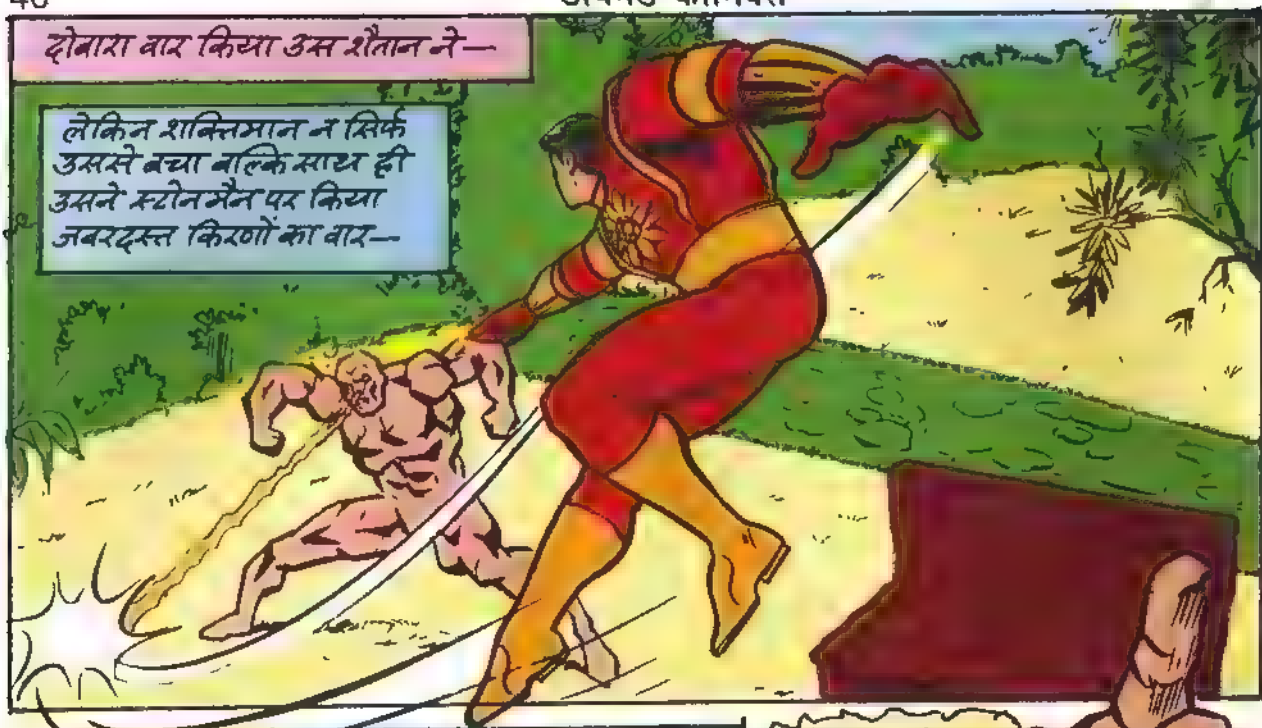
जमीन पर पैर रखने ही थे
कि स्टोनमैन ने उस पर
धारा बोल दिया—

ओह!

शक्तिमान!
चुपचाप सामने
आ जाओ, वरना
मैं इन सारे बच्चों
को बेजान पत्थर
की मूर्तियों में
बदल दूंगा!

दोबारा वार किया उस शैतान ने—

लेकिन शक्तिमान न सिर्फ
उससे बचा बल्कि साथ ही
उसने स्टोनमैन पर किया
जबरदस्त किरणों का वार—

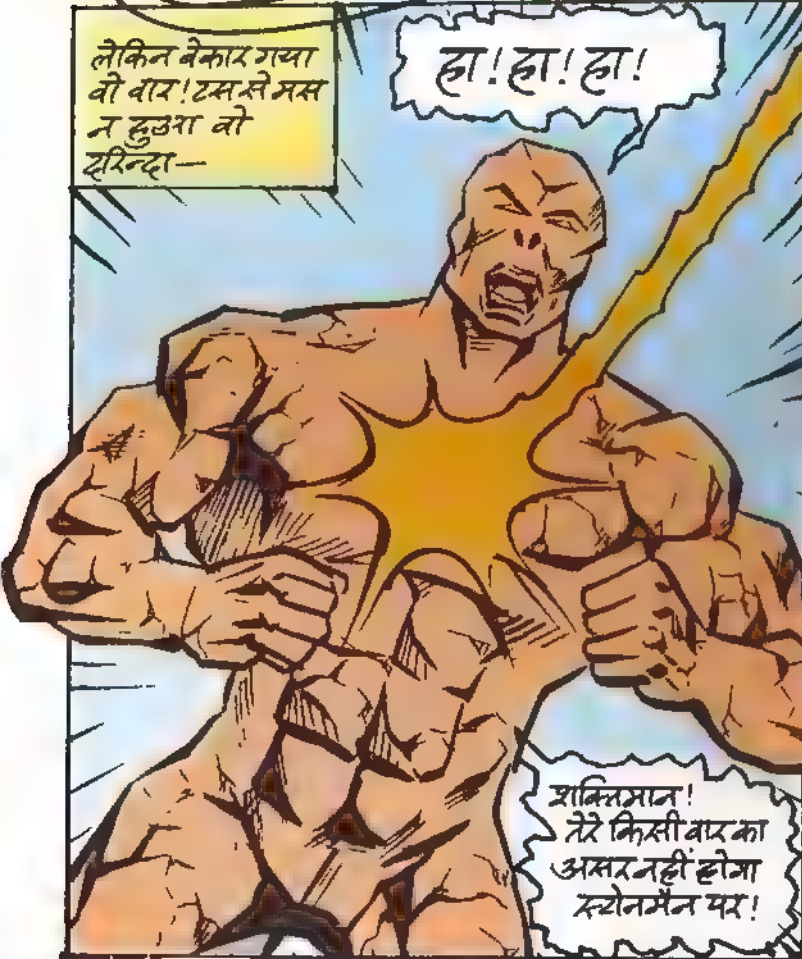


लेकिन बेकार गया
वो वार! उससे मस
न हुआ वो
हरिन्दा—

हा! हा! हा!

लेकिन स्टोन-
मैन तुम्हें बेजान
बुत बना कर
महान कपाला के
हवाले कर
देगा!

शक्तिमान!
तेरे किसी वार का
असर नहीं होगा
स्टोनमैन पर!



लेकिन उससे पहले
शक्तिमान तुम्हें जहन्नूम
बहुंचा देगा! और
फिर तेरे आका कपाला
को भी!

महान कपाला
की शान में
मुस्ताखी करने
वाला जिन्दा नहीं
बच सकता!
चह ले!

उससे निकली
किरणों जिस चीज
से टकराई वो
तुरंत पत्थर की
हो गई!

स्टोनमैन बार बार किये जा रहा था—

उफ!
ऐसे कब तक
बचता रहूंगा, मेरे
किसी प्रहरे का इस
पर कोई असर नहीं हो
रहा! क्या करूँ?

ओह!
मुझे शक्तिमान
की मदद करनी
चाहिएं!

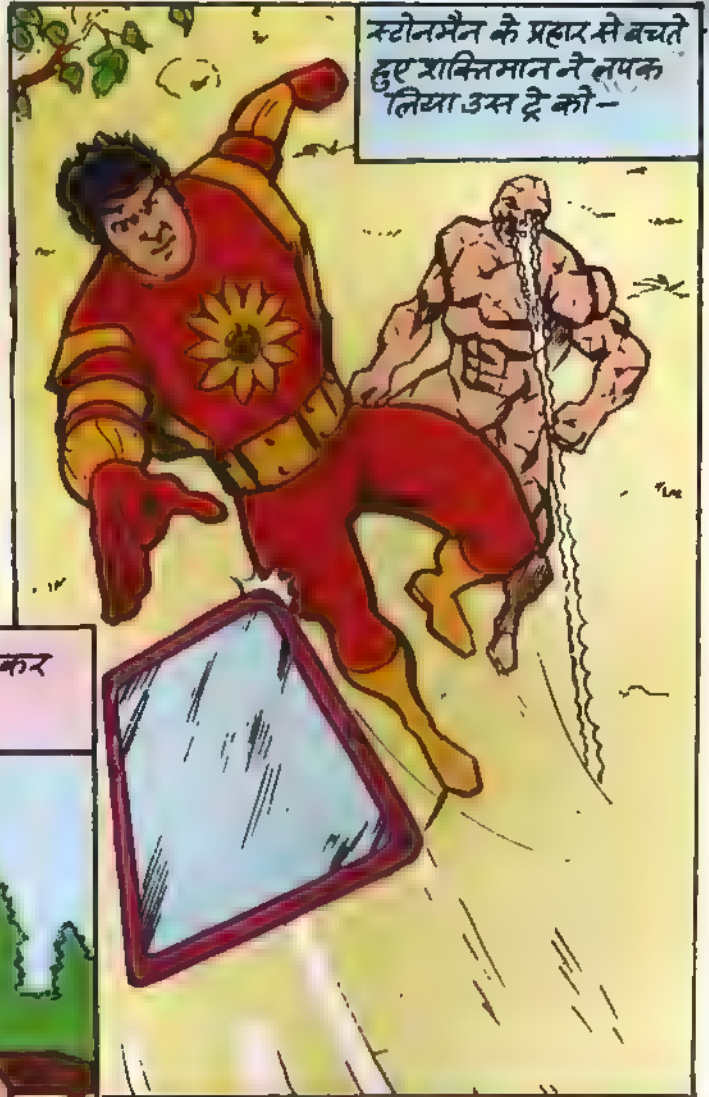
कुद सोच
कर अप्पू
वहाँ से
चला गया!

तभी अप्पू ने पास रखी एक चमकदार स्टील ट्रे उठा कर शक्तिमान की ओर उड़ा दी—



शक्तिमान कैद!

स्टोनमैन के प्रहार से बचते हुए शक्तिमान ने लपक लिया उस ट्रे को—



और फिर शक्तिमान हवा में कलाबाजी खाकर सामने आ खड़ा हुआ उस शैतान के...

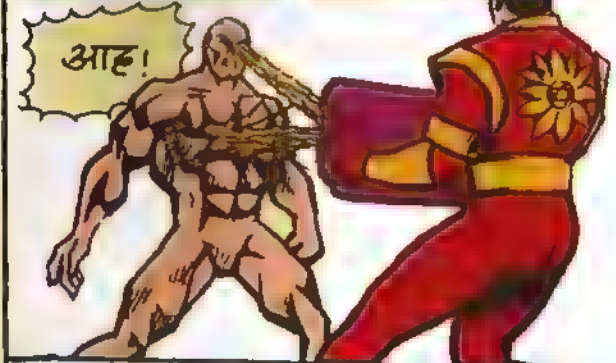


गुर्रर

...जिसने फिर से नार किया शैल किरणों का—

लेकिन चमकदार ट्रे से टकरा कर किरणों बापस स्टोनमैन से जा टकराई—

आह!



अमले हीयल फ्रीज होकर रह गया वह शैतान—

स्टोनमैन के बेजान
नुत बनते ही सब
शक्तिमान के पास
दौड़ आये—

हुर्रेँsss
शक्तिमान
जीत गया!

फिर शक्तिमान
स्टोनमैन को वहाँ से
लेकर चला गया—



कुछ देर
बाद दोनों
कपाला के
पास मौजूद
थे! लेकिन
यह क्या?

स्टोनमैन जीवित खड़ा था और
शक्तिमान बेजान मूर्ति बना
हुआ—

वाह! बहुत खूब!
बहुत खूब! स्टोनमैन बहुत
खूब !! कपाला खुश है!
कपाला हंसेगा...कपाला
खूब हंसेगा!

याsss
हा! हा!
हां!

शक्तिमान!
तुम्हें अपने
ऊपर बहुत
अभिमान
था, लेकिन
देख कपाला
ने तेरे अभिमान
को धूल-भूर
कर दिया!



आज तू
कपाला के सामने सिद्धी
का पुतला बना खड़ा
है! अब तू कुछ नहीं बिगाड़
सकता कपाला का!
हा-हा-हा!

अबानक कपाला के
चेहरे पर हैरानियत उतर
आई। दरिन्दगी सी टपकने
लगी उसकी आँखों
में-

लेकिन- लेकिन
कपाला तुम्हें नहीं छोड़ेगा!
शक्तिमान! मौत के
घाट उतार दूंगा
तुम्हें!

टाउन हॉल
में दिए हर ज़रूरत
का बदला गिन-
गिन कर
लूंगा!

अगले ही क्षण
कपाला ने भाले
का खयल ले लिया-

हा-
हा-हा!

और बला की तेजी से
शक्तिमान की
ओर बढ़ा-

लेकिन तभी अप्रच्यर्थ जनक परिवर्तन हुए
स्टोनमैन की जगह शक्तिमान नजर आने
लगा और शक्तिमान की जगह स्टोनमैन-

आज
मिट्टी में
मिलकर रह
जाएगा तेरा
बजूद! हा-हा!

जिससे टकराते
ही वो भाला आगे
से मुड़ गया-

आऽऽऽ

भोला बना
कपाला दर्द
से चीख
उठा—

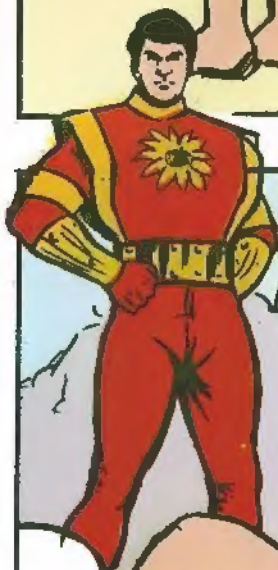
नीचे गिरते ही कपाला अपने असली रूप में आ गया—



आह!
मर गया!
हाय!

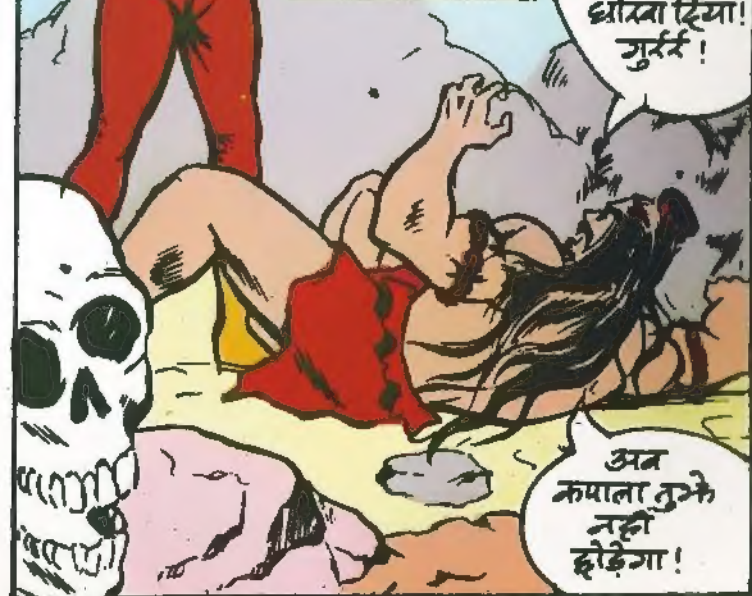


उई! मेरी
गर्दन! कपाला
की गर्दन! बहुत
दर्द हो रहा है। कपाला
को! कपाला रोएगा,
कपाला खूब
रोएगा!
ऊंsssवां!
हाम!



शक्तिमान उसके
सामने आ खड़ा हुआ
और उसे जिन्दा
देखकर कपाला मानो
योगल सा हो उठा—

धोखा! कपाला
के साथ धोखा!
शक्तिमान!
तुने फिर
कपाला को
धोखा दिया!
गुर्रर्र!



अब
कपाला तुम्हें
नहीं
होईगा!

कपाला खोपड़ी
की तरफ
फलट कर
मंत्र पढ़ने
लगा—

जग जड़ांग...
जग
जड़ांग!



खोपड़ी की आंखें दहकने लगी—

लेकिन इससे पहले कोई और मुसीबत आती शक्तिमान ने खोपड़ी तोड़ दी!



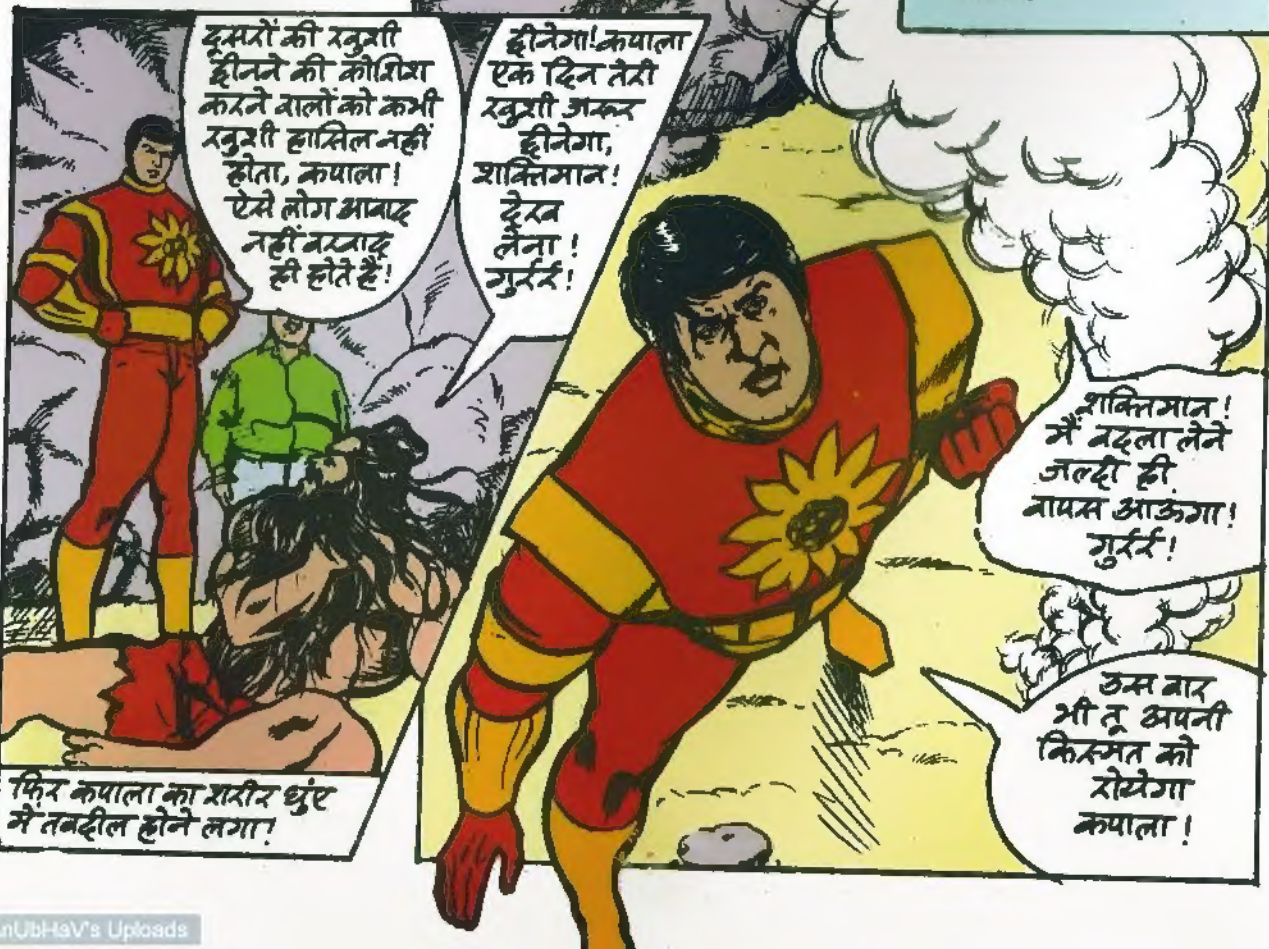
और मायावी खोपड़ी में
ब्लॉक होते ही स्टोन में
भर-भरा कर बिखर
गया-



और फिर वहां से उड़
गया!

दुसरो की खुशी
हीनने की कोशिश
करने वालों को कभी
खुशी हासिल नहीं
होता, कयाला!
ऐसे लोग आजाद
नहीं बरबाद
ही होते हैं!

हीनेगा! कयाला
एक दिन तेरी
खुशी जरूर
हीनेगा,
शक्तिमान!
देख
लेना!
गुर्रर्र!



शक्तिमान!
मैं बदला लेने
जल्दी ही
वापस आऊंगा!
गुर्रर्र!

उस बार
भी तू अपनी
किस्मत को
रोयेगा
कयाला!

फिर कयाला का शरीर धुंए
में तबदील होने लगा!

...वहाँ मौजूद
पत्थर के बेजान
नुत बने डिस्का
को दिव्य शक्ति
से जीवित कर
दिया।



ओह! शक्तिमान!
तुम मुझे
बैचारे आखी
हो?

हां! जब
सेटाक्लाज
शक्तिमान की पैदरी
कर सकता है तो
शक्तिमान सेटाक्लाज
को बचाने क्यों
नहीं आ सकता!

और मैं ऐसा न
करता तो बच्चों
का विश्वास
सेटाक्लाज और
शक्तिमान दोनों
से उठ जाता भलो
अब चलते हैं!



...क्रिसमस पार्क—



शक्तिमान!
शक्तिमान
आ गया!

वाह! असली
सेटाक्लाज
को भी लेकर
आ गया!

गैंड पा!
गैंड पा!

शक्तिमान! तुमने सचमुच
अपना वादा निभाया! इन
बच्चों की खुशी एक बार
फिर लौट आई है। साथ ही
लौट आया है उनका
विश्वास! मैं इस
मौके पर तुम्हारा
इंटरव्यू करना
चाहती हूँ!



ये मौका
तो सेटाक्लाज के
इंटरव्यू का है! मेरा
इंटरव्यू फिर
कभी!

ओह!

और फिर—

स्टोनमैन आपको
पत्थर की तरह फ्रीज
करके कहां ले गया
था?

कपाला
के
घर!





गंगाधर ने घूम कर अपनी पीठ दिरवाई! जिस पर लिखा था—



मन ही मन गंगाधर मुस्करा उठा—

क्यों दोस्तो! क्या आप भी यही समझते हैं?

